Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class- V
Subject - Hindi Literature Page-1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-5
पाठ -1. अभिलाषा (कविता भाग-2)

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ कक्षा पाँचवी की हिन्दी साहित्य का है। आज के इस पाठ में हम पाठ-1 कविता अभिलाषा का अगला भाग पढ़ेंगे।

हम नन्हे - नन्हे रज - कण हैं,
हम नन्हे - नन्हे जल - कण,
उच्च शिखर सम कभी उठेंगे,
कभी बनेंगे मेघ सघन।

बच्चो! कविता की इन पंक्तियों में कवि बता रहे हैं कि प्रकृति में जो छोटे - छोटे मिट्टी के कण हैं, जब वो आपस में मिलते हैं तो बड़े - बड़े पर्वत बन जाते हैं। इसी प्रकार पानी की एक छोटी बूँद आपस में मिलती है तो घने बादल बन जाते हैं और वर्षा करते हैं। इस प्रकार इन पंक्तियों में कवि प्रकृति के अद्भुत नज़ारों का वर्णन कर रहे हैं।

इसकी पावन गंगा - यमुना,
इसकी सावन हरियाली,
लद जाती है फल - फूलों से
मधु ऋतु में डाली - डाली

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date-   Class-V
Subject- Hindi Literature   Page-2
Subject Teacher- Ms Roma Rani

कविता की इन पंक्तियों में कवि कह रहे हैं कि भारत देश में गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियाँ बहती हैं। सावन का महीना प्रकृति को चार चाँद लगा देता है, जिसमें वर्षा होने के कारण सभी पेड़ फल और फूलों से भर जाते हैं। भारत में जब वसंत ऋतु आती है तब प्रकृति का नजारा देखते ही बनता है। पेड़ - पौधों पर फूलों की बहार और पक्षियों की चहचहाहट सभी का मन मोह लेती हैं।

इच्छा है इस जन्मभूमि पर,
शत - शत बार जन्म लें हम,
शत - शत बार इसकी सेवा में,
अपना जीवन दें हम

कविता की इन पंक्तियों में कवि कह रहे हैं कि मेरी यह इच्छा है कि मैं भारत जैसी पावन धरती पर सौ - सौ बार जन्म लूँ और सौ - सौ बार ही इसकी सेवा करके अपना सारा जीवन बिता दूँ। इस प्रकार कवि हमें इस कविता के माध्यम से अपनी जन्मभूमि के प्रति प्रेम, लगाव और सुरक्षा की भावना लाने को कह रहे हैं।

गृह कार्य :- ≟ बच्चो। इस कविता को अच्छे से समझने के लिए दो से तीन बार पढ़ेंगे।
≟ आप इस पाठ के शब्द अर्थ याद करेंगे।
≟ इस पाठ की उत्तर- पत्रिका आपको वीरवार को भेजी जाएगी।

Last page.